

**M.A. Previous (Hindi) Year Degree Examination,  
September/October 2012**

**Directorate of Distance Education**

**Paper - I, Aadhunik Hindi Kavita**

आधुनिक हिन्दी कविता

Time : 3 hrs]

[Max. Marks : 70/80

सूचना : 1. भाग I और II सभी विद्यार्थी लिखें ।

2. भाग III 80 अंकवाले विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है ।

भाग I

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :-

3 × 10 = 30

- 1) “दाने आये घर के अंदर, कई दिनों के बाद  
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद  
चमक उठी घर भर की आँखे कई दिनों के बाद  
कौए ने खुजलाई पाँखे कई दिनों के बाद ।।”
- 2) “तात ! प्रियंवदा लो, यह सम्मुख रही तुम्हारे  
वज्र कीर्ति की वीणा,  
यह मै, यह रानी, भरी सभा यह:  
सब उदग्र, पर्युत्सुक,  
जन-मात्र प्रतीक्षण ।”
- 3) “कौन तुम संस्मृति - जलनिधि - तीर - तरंगो से फेंकी मणी एक  
कर रहे निर्जन का चुपचाप प्रभा की धारा से अभिषेक ?  
मधुर विश्रांत और एकांत - जगत का सुलझा हुआ रहस्य,  
एक करुणालय सुन्दर मौन और चंचल मन का आलस्य ।”
- 4) “सखि बिखर गई हैं कलियाँ  
कहाँ गया प्रिय झुका मुकी में करके वे रंगरलियाँ ?  
भूला संकेगी पुनः पवन को अब क्या इनकी गलियाँ ?  
यही बहुत, ये पंचे उन्ही में जो भी रंगस्थलियाँ ।।”
- 5) “पैर उखड़े में, पवन होगा, ढहेंगे, सहेंगे, बह जायेंगे ।  
और फिर हम चूर्ण होकर भी कभी क्या धार बन सकते ?  
रेत बन कर हम सलिल को तनिक मँदला हो करेंगे ।  
अनुपयोगी ही बनायेंगे ।”

भाग II

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

4 X 10 = 40

- 1) “नदी के द्वीप” कविता का मूल्यांकन कीजिए ।
- 2) “वह तोडती पत्थर” कविता के माध्यम से निरालाजी के सामाजिक सरोकार पर प्रकाश डालिए ।

Contd.... 2

- 3) कामायनी की दार्शनिकता पर विचार कीजिए ।
- 4) "अकाल और उसके बाद" कविता में चित्रित दो भिन्न परिस्थितियों पर विश्लेषणात्मक लेख लिखिए ।
- 5) साकेत के आधार पर 'उर्मिला' के विरह का वर्णन कीजिए ।
- 6) कामायनी की भावपक्ष और कलापक्ष पर विश्लेषणात्मक लेख लिखिए ।

भाग III

कोई एक प्रश्न का उत्तर लिखिए ।

1 X 10 = 10

- 1) कवि अज्ञेयजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आलोचनात्मक लेख लिखिए ।
- 2) साकेत की कथावस्तु का विश्लेषण करते हुए 'नवम सर्ग की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।'

प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र

\*\* \* \*\*

"जब मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ तो मुझे लगता है कि मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ" (1)

"जब मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ तो मुझे लगता है कि मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ" (2)

"जब मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ तो मुझे लगता है कि मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ" (3)

"जब मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ तो मुझे लगता है कि मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ" (4)

"जब मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ तो मुझे लगता है कि मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ" (5)

"जब मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ तो मुझे लगता है कि मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ" (6)

"जब मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ तो मुझे लगता है कि मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ" (7)

"जब मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ तो मुझे लगता है कि मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ" (8)

"जब मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ तो मुझे लगता है कि मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ" (9)

"जब मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ तो मुझे लगता है कि मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ" (10)

"जब मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ तो मुझे लगता है कि मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ" (11)

"जब मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ तो मुझे लगता है कि मैं किसी एक उदाहरण को देखता हूँ" (12)

II

प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र

प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र

प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र प्रश्नकेंद्र

DPA520

**M.A. Previous Year (Hindi) Degree Examination,  
September/October 2012  
Directorate of Distance Education**

**Paper - II - Hindi Ki Gadya Vidhayen**

हिन्दी की गद्य विधाएँ

Time : 3 hrs]

[Max. Marks : 70/80

- सूचना : 1. भाग I और II सभी विद्यार्थी लिखें ।  
2. भाग III 80 अंकवाले विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है ।

**भाग I**

I. किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : -

2 × 10 = 20

- 1) “ग्लानि अतःकरण की शुद्धि का एक विधान है । उससे इसके उद्गार में अपने दोष अपराध तुच्छता बुराई इत्यादि का लोग दुःख से या सुख के कथन से भी अनुभव करते हैं - उनमें दुराव या छिपाव की प्रवृत्ति नहीं रहती है ।” ”
- 2) “बच्चा बहुत लोभ मत करना । देखना, हां...  
लोभ पाप को मूल है, लोभ मिटावत मान ।  
लोभ कभी नहीं कीजिए, यामै नरक निदाना ।”
- 3) “चरवाहा मोहना - छौंए को देखते ही पचकौड़ी मिरदंगिया के मुँह से निकल पडा - अपरूप रूप”
- 4) “लीजिए महाराज ! यही है ज्वैतवन का सरोवर । वे अहेरी कहते थे कि उन्होंने दुर्योधन को इसी के जल में छिपते हुए देखा ।”

**भाग II**

II. किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर लिखिए ।

5 × 10 = 50

- 1) शुद्धा और भक्ति निबन्ध की चर्चा कीजिए ।
- 2) ‘अन्धेर नगरी’ प्रहसन की आलोचना कीजिए ।
- 3) मैला आँचल उपन्यास में अभिव्यक्त ग्रामीण जीवन का विवेचन कीजिए ।
- 4) ‘मैला आँचल’ के डा. प्रशांत का चरित्र चित्रण कीजिए ।
- 5) ‘पडोसिन का कोट’ एकांकी की चर्चा कीजिए ।
- 6) ‘कस्बे का आदमी’ कहानी की समीक्षा कीजिए ।
- 7) ‘अमरूद का पैड’ कहानी का विवेचन कीजिए ।

**भाग III**

III. कोई एक प्रश्न का उत्तर लिखिए ।

1 × 10 = 10

- 1) अंधेरे नगरी में अभिव्यक्त सामाजिक विडंबना को दर्शाए ।
- 2) नन्हों कहानी में अभिव्यक्त नारी समस्या की चर्चा कीजिए ।

\*\*\* \*\*

DPA530

**M.A. Previous Year (Hindi) Degree Examination,  
September/October 2012**

**Distance Education**

**Paper - III - Hindi Sahitya Ka Itihas aur Vyakaran**

हिन्दी साहित्य का इतिहास और व्याकरण

Time : 3 hrs]

[Max. Marks : 70/80

- सूचना : 1. भाग I और भाग II सभी विद्यार्थी लिखें।  
2. भाग III 80 अंकवाले विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।

**भाग I**

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

4 × 10 = 40 Marks

1. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।
2. हिन्दी साहित्येतिहास की परंपरा पर एक लेख लिखिए।
3. सूफी काव्य धारा का परिचय देते हुए उसकी विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
4. रामभक्ति शाखा की विशेषताओं को बताते हुए प्रमुख कवियों का उल्लेख कीजिए।
5. रीति काव्य धारा की विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
5. युग निर्माता भारतेन्दु पर एक लेख लिखिए।

**भाग II**

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

3 × 10 = 30 Marks

- 1) संज्ञा और सर्वनाम के अंतर को सोदाहरण समझाइए।
- 2) क्रिया विशेषण की परिभाषा देते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालिए।
- 3) हिन्दी कारकों को सोदाहरण समझाइए।
- 4) काल और उसके भेदों की चर्चा कीजिए।
- 5) संधि की परिभाषा देते हुए उसके भेदों को सोदाहरण समझाइए।

**भाग III**

कोई एक प्रश्न का उत्तर लिखिए।

1 × 10 = 10 Marks

- 1) छायावादी काव्य धारा की विशेषताओं का आकलन कीजिए।
- 2) वाक्य की परिभाषा देते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालिए।

\*\* \* \*\*

**M.A. Previous Year (Hindi) Degree Examination,  
September/October 2012**

**Directorate of Distance Education**

**Paper - IV Prayojanmoolak Hindi aur Anuvad**

प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद

Time : 3 hrs]

[Max. Marks : 70/80

- सूचना : 1. भाग I और भाग II सभी विद्यार्थी लिखें।  
2. भाग III 80 अंकवाले विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।

**भाग - I**

I. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

5 × 10 = 50 Marks

1. भारतीय संविधान में हिन्दी की स्थिति गति पर विचार कीजिए।
2. कार्यालय में आवती का अवलोकन कैसे होता है ? स्पष्ट कीजिए।
3. राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा हिन्दी पर विवेचन कीजिए।
4. कथा साहित्य अनुवाद की समस्याएँ और समाधान पर विश्लेषण कीजिए।
5. सफल अनुवाद की विशेषताएँ बताते हुए सफल अनुवादक के गुण पर चर्चा कीजिए।
6. अनुवाद कला है या विज्ञान या शिल्प ? स्पष्ट कीजिए।
7. अर्धसरकारी पत्र की विशेषता बताते हुए उसका एक नमूना तैयार कीजिए।

**भाग - II**

II. अनुवाद कीजिए।

2 × 10 = 20 Marks

अ) अंग्रेजी अथवा कन्नड से हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

There was an extension of traditional functions of the state. Defence, administration of justice, formation of laws due to democratic political set - up, were becoming more and more expensive day by day. Besides, various complexities of social and economic nature were also developing due to which the administration and Governance had become more complex and expensive.

अथवा

संघ कबीरदासರು ಹಿಂದಿಯ ಭಕ್ತಿಕಾಲದ ಒಬ್ಬ ಮಹಾನ್ ಸಂತ ಹಾಗೂ ಮಹಾನ್ ಕವಿಯಾಗಿದ್ದಾರೆ. ಕಬೀರರು ಸಮಾಜದಲ್ಲಿರುವ, ಮೂಢನಂಬಿಕೆ, ಡಂಭಾಚಾರ, ಅಂಧವಿಶ್ವಾಸವನ್ನು ತೊಡೆದು ಹಾಕಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಿದರು. ಅವರು ದೋಹಾವನ್ನು ಸಮಾಜವನ್ನು ತಿದ್ದಲು, ಸುಧಾರಿಸಲು ಮಾಧ್ಯಮವನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿಕೊಂಡರು. ಇದರಿಂದ ಕಬೀರರು ಕೇವಲ ಕವಿಯಾಗಿರದೆ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕ ಎಂದೆನಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ.

आ) हिंदी से अंग्रेजी अथवा कन्नड में अनुवाद कीजिए।

भारतीय रंगमंच को हबीब तनवीर का योगदान असाधारण है। आधुनिक भारतीय रंगमंच के लिए हबीब तनवीर ने शोध और सृजन का कार्य किया। उन्होंने इसी सिलसिले में वे विदेश यात्राएँ करते रहे। इतना ही नहीं वे विदेशों के नाट्यग्रहों में जाकर नाटक बहुत ध्यान से देखा। कलाकारों के अभिनय को लेकर चिंतन किया, और पाश्चात्य कलाकारों के अभिनय की तुलना की।

कोई एक प्रश्न का उत्तर लिखिए ।

1 × 10 = 10 Marks

- 1) अनुवाद की समस्याओं पर सविस्तार विवेचन कीजिए ।
- 2) मसौदा लेखन क्या है ? मसौदा लेखन की विशेषताएँ बताते हुए उसके प्रकारों पर चर्चा कीजिए ।

\*\*\* \*\* \* \*\* \*  
08 III 80 अंक III 80 अंक III 80 अंक III 80 अंक

1 × 10 = 10 Marks

प्रश्नीय प्रश्न का उत्तर लिखिए ।

1. प्रश्नीय प्रश्न का उत्तर लिखिए ।
2. प्रश्नीय प्रश्न का उत्तर लिखिए ।
3. प्रश्नीय प्रश्न का उत्तर लिखिए ।
4. प्रश्नीय प्रश्न का उत्तर लिखिए ।
5. प्रश्नीय प्रश्न का उत्तर लिखिए ।
6. प्रश्नीय प्रश्न का उत्तर लिखिए ।
7. प्रश्नीय प्रश्न का उत्तर लिखिए ।

II - भाग

2 × 10 = 20 Marks

प्रश्नीय प्रश्न का उत्तर लिखिए ।

(अ) There was an extension of traditional functions of the state. Defence, administration of justice, formation of laws due to democratic political set-up, were becoming more and more expensive day by day. Besides, various complexities of social and economic nature were also developing due to which the administration and Governance had become more complex and expensive.

उत्तर

राज्य के पारंपरिक कार्य-कारणों में वृद्धि हुई है। सुरक्षा, न्याय, कानून बनाना आदि कार्य-कारणों में वृद्धि हुई है। साथ ही सामाजिक और आर्थिक प्रकृति के कारणों से राज्य-शासन और शासन का अधिकार क्षेत्र भी अधिक जटिल हो गया है। इन कारणों से राज्य-शासन और शासन का अधिकार क्षेत्र भी अधिक जटिल हो गया है।

(आ) प्रश्नीय प्रश्न का उत्तर लिखिए ।

प्रश्नीय प्रश्न का उत्तर लिखिए ।